



**ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE  
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI  
COMMUNICATION DEPARTMENT**

**Highlights of Press Briefing**

**18 July, 2020**

**Shri Pawan Khera, Spokesperson, AICC addressed the media via video conferencing today.**

**श्री पवन खेड़ा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि** राजस्थान में लोकतंत्र की सरेआम हत्या के प्रयासों में भाजपा का खुला खेल जग-जाहिर तो हो ही गया था। आज भाजपा ने अपनी प्रेस वार्ता में स्वीकार भी लिया कि खरीद फरोख्त तो हुई है, लोकतंत्र की हत्या भी हुई है, संविधान को कुचला भी गया है, उन्हें आपत्ति इस बात कि है की रिकॉर्डिंग क्यों हुई?

लेकिन उन्हें इस बात की शिकायत है कि जब यह सब हो रहा था तो उसकी रिकॉर्डिंग क्यों हो रही थी। यानी की चोर मान रहा है कि वह चोरी कर रहा है, मात्र यह जानना चाहता है कि जब वह चोरी कर रहा था तो वहां कैमरा क्यों लगा हुआ था। हत्या का आरोपी यह कहे कि जिस गवाह ने मुझे हत्या करते हुए देखा और पुलिस को सूचित किया, उसने मेरे कमरे में झांक कर मेरी निजता की स्वतंत्रता को भंग किया।

सवाल ये है कि कांग्रेस के किसी विधायक ने ये आरोप नहीं लगाया कि उनका फ़ोन टैप किया गया। आरोप कौन लगा रहा है; आरोप लगा रहा है भाजपा का राष्ट्रीय प्रवक्ता ! आरोप लगा रही है भाजपा की केंद्रीय इकाई ! ज़ाहिर है उन्हें भय है कि जाँच के बाद सारा षड्यंत्र सामने आएगा। और ऊपर के नेतृत्व से बहुत सारे तार जुड़े होने के प्रमाण सामने आएँगे इसलिए भाजपा जवाब देने के बजाय उल्टा आरोप लगा कर बचना चाह रही है ।

आज यह स्पष्ट हो गया है कि चोर डरा भी हुआ है, चोर को यह भी पता है कि इस प्रकरण में न केवल एक केन्द्रीय मंत्री, बल्कि उस मंत्री के ऊपर के भी कई नेता फंसने वाले हैं। शुक्रवार रात और शनिवार को भाजपा को बेनकाब करते हुए कुछ तथाकथित ऑडीओ टेप सामने आए। तत्पश्चात कुछ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ एवं एसओजी की टीम मानेसर के उस होटल में पहुंची जहां मनोहर लाल खट्टर की पुलिस के कब्जे में कांग्रेस के कुछ विधायक बंद हैं।

इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि जांच रोकने के लिए भाजपा खुलकर अपने सरकारी अमले का दुरुपयोग करते हुए मैदान में आ गई। कांग्रेस के उन विधायकों का वॉयस सैंपल नहीं लेने नहीं दिया गया, जिनकी आवाज़ इन तथाकथित आडियो टेप में सुनाई दे रही है। उन विधायकों के साथ-साथ बाकी विधायकों को भी पिछले दरवाज़े से निकाल कर तड़ीपार करवा दिया गया।

आखिर क्या कारण है कि सचिन पायलट जी को राजस्थान पुलिस से ज्यादा भरोसा हरियाणा पुलिस पर है ? आखिर क्या कारण है कि एक तरफ तो आप अदालत में भी कह रहे हैं कि आप कांग्रेस में हैं, और दूसरी तरफ आप भाजपा के संरक्षण में हरियाणा में बैठे हैं ? आखिर क्या कारण है कि एक तरफ तो भाजपा संबंधित नामी-गिरामी वकील कोर्ट में साबित कर रहे हैं कि यह विधायक कांग्रेस में हैं, और दूसरी तरफ भाजपा के संरक्षण में वॉयस सैंपल देने से बचकर पिछले दरवाजे से निकल जाते हो ? सुनने में आया है कि अब इन विधायकों को भाजपा शासित कर्नाटक में ले जाने के प्रयास हो रहे हैं। आखिर क्या कारण है कि जिन विधायकों पर कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई, उन्हें क्यों भाजपा के संरक्षण में तड़ीपार करवा गया ?

**Shri Pawan Khera said-** We have all witnessed over the last week, 10 days, the daylight murder of democracy being attempted by the BJP in Rajasthan. We have all seen, everyday a new layer comes out exposing the links of, not just the links, the direct links of the BJP in creating some kind of crisis, trying to commit murder of democracy in Rajasthan. Their only grievance was that when they were murdering democracy, why were they getting recorded and if they were getting recorded, was it legal. It is like a murderer claiming that the witness who saw him committing the murder and who informed the police, violated the privacy of the murderer by peeping into his room, when he was committing the crime.

The shamelessness of this admission is also very shocking. They are not worried about the fact that they got caught red handed, they are worried about the fact that why did they get caught, was exposing their crime, legal ?

Yesterday and day before yesterday at night, we saw some so called audio tapes, exposing a lot of goings on in Rajasthan, voices of a senior Union Minister, voices of some MLAs of Rajasthan, everything is out there. Based on those recordings, a case was filed and the SOG proceeded to Manesar last night to collect the voice samples of the former Ministers and of the MLAs, who were involved in these so called audio tapes. For the first time in history, the police of another state actively blocked the SOG team from collecting the voice samples and quietly, surreptitiously ensured that all the MLAs escape from the back door of the hotel. The BJP openly misused its official machinery in Manohar Lal Khattar's Haryana to throttle an investigation, an on ongoing investigation. Never before in history will you have seen this, and I hope we will never see it again. What is the reason that Mr. Sachin Pilot trusts the Haryana Police more than the Rajasthan Police, we want to know.

On the one hand, celebrated lawyers close to the BJP are trying to prove in the court of law in Rajasthan that Mr. Sachin Pilot and all the MLAs are part of the Congress Party, on the other hand these MLAs take protection from Haryana Police, under that protection try and escape from the Hotel when the Police team reaches for voice samples collection. If you are part of the Congress, why are you in the custody of a BJP ruled state? We have been told now that attempts are being made to take them to another BJP ruled state Karnataka.

So, all these facts come as a surprise to those who still want to believe, what is being said in the court? All the MLAs against whom there was no FIR also tried to escape from the rear gate of the hotel. This makes it amply clear that it is a BJP operation. BJP is not denying it anymore, actually they are admitting to it. Their only grievance is, why did we get recorded, was the recording legitimate?

**एक अन्य प्रश्न पर श्री खेड़ा ने कहा कि** जो हो रहा है, आपके सामने हो रहा है। रोज नए-नए तथ्य आपके सामने आ रहे हैं। आपने रिकॉर्डिंग सुनी, मीडिया के ही साथियों से ये रिकॉर्डिंग कई जगह और भी राजस्थान में कई और रिकॉर्डिंग सुनाई दीं, सबने सुनी। तो परत-दर-परत जब तथ्य सामने आ रहे हैं, वो भी आपके सामने रखे जा रहे हैं और कांग्रेस पार्टी खुले मन से एक बार नहीं, दो बार नहीं, कई बार दरवाजे अपने खुले रखे हैं, सचिन पायलट जी के लिए भी और उन तमाम विधायकों के लिए, जो बीजेपी के बिछाए जाल में फंसे हुए नजर आ रहे हैं। आपने कल भी रणदीप सिंह सुरजेवाला जी की बात सुनी।

**On a question about the MLAs staying in a Hotel, Shri Kherra said-** The track record of BJP in Madhya Pradesh, in Karnataka, in other states convinces us that we cannot allow the BJP to kidnap our MLAs and to try and create some kind of a crisis in the state because the BJP was decisively defeated in Rajasthan in 2018 and a Party, whose sole objective is to win elections rather than to govern the country, can go to any extent. Actually their sole objective is to retain power, whether they win elections or lose elections, power is the only objective of the BJP under Mr. Narendra Modi and Mr. Amit Shah, therefore, even if they lose an election, they try to subvert democratic processes, they try to subvert the Constitution of India, they first toss the rule book in the air, try and kidnap people, try and do all kinds of things that should not be done in a healthy democracy. Therefore, it is only proper for us, to protect our turf from such evil designs.

**फोन रिकॉर्डिंग से सम्बंधित एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री खेड़ा ने कहा कि** मीडिया में हमारे मित्र राजस्थान में सबसे पहले उन्होंने और बाकी राष्ट्रीय मीडिया ने भी पिछले हफ्ते भर से हम बातें सुन रहे थे कि कुछ ऐसी रिकॉर्डिंग हैं, निकल कर आई। भाजपा अपनी प्रेस वार्ता करके जब ये पूछती है तो हंसी आती है। स्नूप गेट, प्रचलित- चर्चित स्नूप- गेट के मुख्य किरदार निभाने वाले आज सत्ता के शीर्ष पर बैठे हैं। वो जानना चाहते हैं टेपिंग कैसे हुई, किसने की? मैं अचंभित होता हूँ। आपको तो मालूम है महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान में यही विश्वेन्द्र सिंह ने भी पिछली बार आरोप लगाया था कि भाजपा उनके फोन टेप करती है। गुजरात के आरोप तो आप सबको मालूम है कौन क्या करता रहा है? राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को फोन टेप करना तो दूर, साधारण नागरिकों तक पर स्नूपिंग की गई थी। नीतीश कुमार जी क्या कहते हैं 'हैबिचुअल टेपर' तक बीजेपी को कहा। ऐसे लोग जब पूछते हैं कि टेपिंग कैसे हुई, क्यों हुई, क्या हुआ? अरे उन्हें तो अपनी रुल बुक में जाकर देख लेना चाहिए सत्ता में रहने के लिए आज तक क्या करते आए हैं?

I think they are experts in this, Nitish ji said so about BJP's phone taping games. ये नीतीश कुमार जी कह रहे हैं, आज नहीं कह रहे हैं। लेकिन 2013 में नीतीश कुमार जी भाजपा

पर ये आरोप लगाया था, तब स्नूप गेट नया-नया सामने आया था। महाराष्ट्र हो, कर्नाटक हो, बंगाल हो, जहाँ ममता जी ने भी ये आरोप लगाए हैं कि उनके स्वयं फोन टेप हो रहे हैं। अनिल देशमुख जी ने भी, कईयों ने आरोप लगाए हैं, तो लगातार आरोप लगते आए हैं जिस पार्टी पर, वो आज शराफत में सामने आकर कह रही है कि फोन कैसे टेप होते हैं, रिकॉर्डिंग कैसे आती है और ये कहने के चक्कर में गलती उनसे ऐसी हो गई कि आज स्वयं स्वीकर कर लिया आज कि हां, चोरी भी कर ली, हत्या भी कल ली, पर आपको कैसे मालूम पड़ा? आपने जो टेपिंग की, जो भी रिकॉर्डिंग आई है, ये किसने की है? ये कानूनी है या गैर कानूनी है? अरे जो आपने किया क्या वो कानूनी है? पहले तो उस पर जवाब दीजिए संबित पात्रा जी या जो भी उनके नेता प्रेस वार्ता में हैं? बड़ी रोचक और रहस्यमय बात ये है कि जिन विधायकों पर ये आरोप है, वो ये नहीं कह रहे हैं कि उनका फोन टेप हुआ है, कह कौन रहा है जो दिल्ली से भाजपा के प्रवक्ता। भाजपा के नेता घबराए हुए हैं। जैसा मैंने आपको कहा कि अभी तो एक केन्द्रीय मंत्री है, इनको डर है कि चोर की दाड़ी में तिनका तो होता ही है। अब इनको ये भय है कि ऊपर के भी लोग फंसेगे, जिन-जिनका इसमें योगदान रहा है, भूमिका रही है। जो घबराहट है, उस घबराहट से गलतियां होती हैं, गलतियां वो करने लगे हैं, सामने दिखनी लगी हैं।

**एक अन्य प्रश्न पर श्री खेड़ा ने कहा कि** आपके ही मित्र, आपकी ही फ्रेटिनिटी के लोग, राजस्थान का मीडिया जगत, देश के और हिस्सों का मीडिया जगत द्वारा पिछले हफ्ते भर से ये चर्चा सोशल मीडिया पर भी चल रही थी और उसके बाद ये रिकॉर्डिंग सबके सामने आई। हमारे भी सामने आई, आपके भी आई, तो ये सबके सामने आई हैं, ये स्पष्ट है।

**एक अन्य प्रश्न पर कि इन विधायकों को कर्नाटक ले जाने की कोशिश की जा रही है, तो क्या राजस्थान में अभी भी 'ऑपरेशन लोटस' एक्टिव है? श्री खेड़ा ने कहा कि** आज से कुछ लगभग एक साल पहले राम माधव जी ने एक चैनल को इंटरव्यू के वक्त कहा था कि भले हम चुनाव हार जाएं, हमारे पास अमित शाह हैं, बड़े गर्व से कहते हैं। 'ऑपरेशन लोटस' का नाम भी इन्होंने ही दिया था। तो जो पार्टी या जो समूह, मैं ये शब्द इस्तेमाल करना चाहूंगा, बेशर्मी से जो ये कहता है कि हां, मैं लोकतंत्र का हत्यारा हूँ; हां, हमारे पास अमित शाह हैं, जो लोकतंत्र की हत्या करते हैं; ऑपरेशन लोटस नए-नए नाम देते हैं और हैरानी की बात है कि हमारे जो पन्ना प्रमुख जो मीडिया में बैठे हैं, ऐसे व्यक्ति को चाणक्य का दर्जा दे देते हैं। अब चाणक्य का अपमान इसी देश में होना था, पिछले 6 साल में, ये तो हैरानी की बात है। जिस व्यक्ति को गर्व है कि चुनाव हारने के बाद भी हारता नहीं है, क्योंकि वो पैसे खर्च करके, प्रलोभन देकर, डरा धमका कर, एजेंसियों का दुरुपयोग करके सत्ता पर किसी ना किसी तरह काबिज हो जाएगा और उस बात को मीडिया में सैलिब्रेट किया जाए, मीडिया में उस बात की तारीफ हो जाए। अरे साहब They have fire in their belly. What is the use of this fire, which is burning the constitution of India, I ask. ये जो fire in the belly वाला कॉम्लिमेंट आप लोग दे देते हैं अमित शाह को, ये वही आग है जो इस देश के संविधान को जला रही है, भस्म कर रही है और हम ये नहीं होने देंगे। सख्त, आपने कहा सख्ती, जो इस बार आपने देखा, किस तरह से अब वही एमएलए, जिनको कैद में रखा गया है, बार-बार संदेश भिजवाने की चेष्टा कर रहे हैं। हम संविधान की हत्या नहीं होने देंगे, सुनले ये भारतीय जनता पार्टी के तथाकथित चाणक्य, अच्छी तरह से सुन लें।

एक अन्य प्रश्न पर कि अगर सचिन पायलट अपने खेमे के साथ वापस आ जाते हैं, तब भी क्या ये एसओजी की कार्यवाही जारी रहेगी? श्री खेड़ा ने कहा कि ये कानून प्रक्रिया है, कानून प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप कांग्रेस पार्टी नहीं करना चाहती, ना कभी करेगी। ये आदत भाजपा की है कि कानून को बिल्कुल अपने तरीके से तोड़ना, मरोड़ना, अपने तरीके से उसका प्रयोग या दुरुपयोग करना, कानून प्रक्रिया जिस तरह से चलनी चाहिए, वैसे चलेगी।

एक अन्य प्रश्न पर कि बसपा नेता कुमारी मायावती ने ट्वीट कर कहा है कि राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए, क्या कहेंगे? श्री खेड़ा ने कहा कि आप किसी 'मजबूर नेता' के हवाले से कुछ पूछें, तो उसकी मजबूरी का आप मजाक उड़ा रहे हैं। उनकी कुछ मजबूरियां हैं, तभी वो बार-बार इस तरह की टिप्पणियां करती हैं, उनकी मजबूरी पर मुझे कोई टिप्पणी नहीं करनी।

**On another question about a tweet of BSP leader Ms. Mayawati in which she has asked for imposition of President's Rule in Rajasthan, Shri Khera said-** I don't think we should discuss and comment on the helplessness of a leader, she has her own reasons, her own compulsions, her own fears and therefore her own helplessness, which forces her to come out with such comments to help the BJP.

सचिन पायलट की वापसी से सम्बंधित एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री खेड़ा ने कहा कि सब कुछ सार्वजनिक पटल पर है। कांग्रेस पार्टी किसी भी जीवंत संगठन की तरह, हमारे भीतर जो भी बात हो रही है, अलग-अलग व्यक्तियों की अलग राय होती है, बड़े दलों में, बड़े संगठनों में होती ही है और वो राय सार्वजनिक पटल पर भी रखी जाती है। वो मतभेद भी कई बार सार्वजनिक पटल पर आते हैं। हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है, इसी वजह से हमारा एक संगठन जीवंत है, जहां कोई 'शाह- शंहशाह मॉडल' नहीं चलता और बहुत खुले दिल से ये बात कहेंगे, हर नेता अपनी पार्टी में अपना जीवन इनवेस्ट करता है और उस नेता में भी पार्टी इनवेस्टमेंट करती है। दोनों तरफ से इनवेस्टमेंट्स होती है, ऐसे में अगर कोई मतभेद होता है तो खुले मन से, ऐसे में, दोनों तरफ से बात होनी चाहिए। सार्वजनिक तरीके से हमने ये 3 या 4 बार बोला कि दरवाजे खुले हैं।

Sd/-  
(Dr Vineet Punia)  
Secretary  
Communication Deptt,  
AICC